पक्षियों से दोस्ती

पक्षी तो हर जगह दिखाई देते हैं। क्या तुमने कभी इनको ध्यान से देखा है?

पक्षियों को देखना, पहचानना तथा उनका अवलोकन करना बहुत ही दिलचस्प अनुभव है। पक्षियों के बारे में देखने को बहुत कुछ है। जैसे आकार, रंग–रूप, बोली, आदतें, भोजन आदि। कई लोग इसे एक शौक के रूप में अपनाते हैं। इस शौक को पक्षी दर्शन या 'बर्ड वाचिंग' कहते हैं।

पक्षी दर्शन के लिए तुम एक अलग डायरी या कॉपी बना सकते हो। हर पक्षी के लिए एक अलग पन्ना रखना अच्छा रहेगा। तुमको पक्षी के बारे में जो भी जानकारी हो या पता चले उसको इस पन्ने पर लिखते जाओ।

पन्ने पर सबसे ऊपर पक्षी का नाम लिखो। यदि संभव हो, तो पक्षी का चित्र ढूंढकर अपने द्वारा इकट्ठी की गई जानकारी के साथ चिपका दो। अगर ऐसा नहीं कर पाते हो तो, चित्र बनाने की कोशिश करो।

पक्षियों के अवलोकन में मदद के लिए कुछ और सुझाव निम्नलिखित हैं:

लंबाई: पक्षी लगभग कितना लंबा है? पक्षियों की लंबाई की तुलना गोरैया या कौए जैसे किसी जाने–पहचाने पक्षी से की जा सकती है।

रंग: क्या पक्षी का पूरा शरीर एक ही रंग का है? सीना सादा है या धब्बेदार, या फिर चित्तियों वाला? क्या पूंछ पर भी चित्तियां हैं? पंख एक ही रंग के हैं या उन पर भी चित्तियां हैं?

आंख: पक्षी की आंखें क्या गोल लकीर से पूरी घिरी हैं? या केवल आंखों के ऊपर ही लकीर है? आंखों का रंग कैसा है?

चोंच: चोंच कैसी है – लंबी, छोटी, नुकीली या मुड़ी हुई?

तरह–तरह की चोंचें

पक्षियों के तरह–
तरह के पंजे

पैर: पैर लंबे हैं या छोटे? नाखून कैसे हैं? पक्षी कैसे बैठता या चलता है?

पूंछ: पूंछ की लंबाई? पूंछ का सिरा नुकीला है, गोलाकार है या चौकोर? क्या पक्षी पूंछ हिलाता रहता है? क्या वह पूंछ खड़ी करता है या नीचे ही रखता है?

पंख: पंख गोलाकार हैं या नुकीले? इसके लिए उड़ते हुए पक्षियों को देखना जरूरी होगा। संभव हो तो फैले हुए पंखों का चित्र भी बना लो।

आवाज: पक्षी की आवाज ध्यान से सुनो। आवाज की मदद से तुम पक्षियों को जल्दी पहचान सकते हो। अगर हो सके तो उसकी आवाज की नकल करने की कोशिश भी कर सकते हो।

आवास: वह अक्सर कहां दिखाई देता है – खेत में, पानी के पास, पेड़ पर, झाड़ियों में या फिर बिजली के तारों पर? क्या पक्षी किन्हीं खास पेड़ों पर ही बैठता है?

भोजन: पक्षी क्या खाता है – कीड़े–मकोड़े, दाने, मांस, अनाज या फल?

मौसम: अक्सर किस मौसम में तुम्हें वह पक्षी दिखाई देता है?

पक्षियों को ध्यान से देखने और उनके अवलोकन अपनी डायरी में नोट करने में तुम्हें मदद मिले इसके लिए उदाहरण के तौर पर खंजन पक्षी का विवरण आगे दिया है।

"ठंड के मौसम में खंजन पक्षी खुली जगहों, बगीचों, खेतों में, शहरों में, घरों के आसपास बड़ी संख्या में दिखाई पड़ते हैं। पूछ को ऊपर नीचे करने की आदत के कारण तुम इन्हें आसानी से पहचान सकते हो।"

खंजन

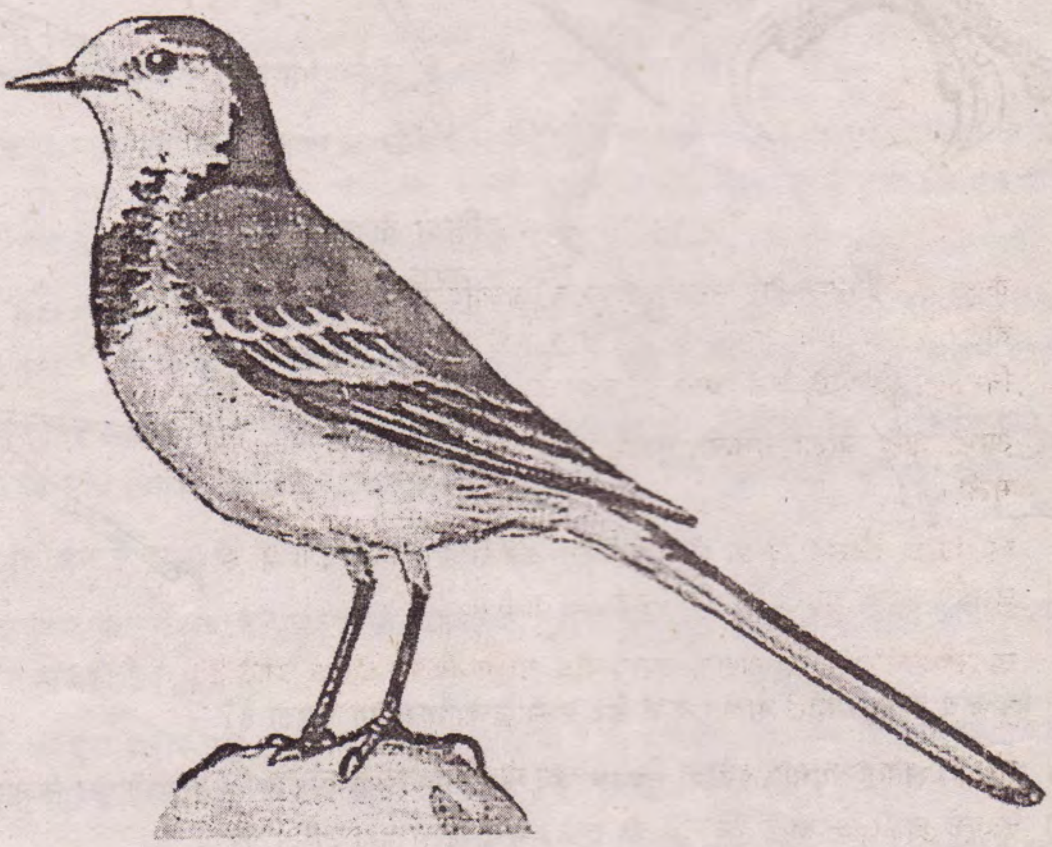

लंबाई : लगभग गोरैया के बराबर।

रंग: सिर के ऊपर काला, पंख भूरे (राख के समान)। चेहरा, गला और पेट वाला भाग सफेद।

पूंछ: लंबी, पतली, आयताकार।

चोंच : छोटी, पतली, नुकीली।

आवाज: पतले स्वर में बजाई गई सीटी के समान।

भोजन: कीड़े–मकोड़े।

आवास: अधिकांश समय भोजन की तलाश में जमीन पर बिताता है। रात में पेड़ों पर सोता है।

अन्य जानकारी: पूंछ को ऊपर नीचे हिलाता हुआ कीड़े–मकोड़े की तलाश में जमीन पर (खेतों, बगीचों, मैदानों, आदि में) दौड़ता रहता है। पूंछ को ऊपर नीचे हिलाने की आदत के कारण इसे धोबन कहते हैं। ठंड के मौसम में बड़ी संख्या में खंजन दिखाई पड़ते हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही ठंडे प्रदेशों (जैसे हिमालय) की ओर चले जाते हैं।

नर और मादा एक समान दिखाई देते हैं।